यूटीयू में आयोजित पंचकर्म एवं आहार चिकित्सा पर आधारित दो दिवसीय कार्यशाला में यूटीयू के कुलपति प्रो. ओंकार सिंह, योगम रिसर्च फाउंडेशन की निदेशक डा.उर्मिला पांडे को स्मृति चिह्न देकर सम्मानित करते हुए • जागरण

योग की उपचारात्मक तकनीक अपनाएं : प्रो. दास

जागरण संवाददाता, देहरादून : दिल्ली विवि के भीमराव आंबेडकर कालेज के सामाजिक कार्य विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. विष्णु मोहन दास ने कहा कि योग के अनेक उपचारात्मक तकनीक जैसे मर्म चिकित्सा, कास्मिक हीलिंग से ड्रग्स थेरेपी को ज्यादा से ज्यादा अपनाया जाना चाहिए। यह समय की आवश्यकता है कि वर्कशाप के माध्यम से समाज में भी जागरूकता लाई जाए। यह बात उन्होंने सोमवार को वीर माधो सिंह भंडारी उत्तराखंड तकनीकी विश्वविद्यालय (यूटीयू) में आयोजित कार्यशाला में कही। यूटीयू ने निरामया योगम रिसर्च फाउंडेशन हरिद्वार व उत्तराखंड आयुर्वेदिक कालेज के सहयोग से प्राणिक हीलिंग, रोग परीक्षण, पंचकर्म एवं आहार चिकित्सा पर आधारित दो दिवसीय 11वीं कार्यशाला आयोजित की। कार्यशाला का उद्घाटन यूटीयू के कुलपति प्रो. ओंकार सिंह एवं उत्तराखंड आयुर्वेदिक विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति प्रो. सुनील जोशी ने किया। विशेषज्ञ डा. उर्मिला पांडे ने बताया कि कास्मिक हीलिंग वह तकनीक है, जिसमें कास्मिक एनर्जी के द्वारा रोगों की रोकथाम समय की जा सकती है। यह तकनीक सूक्ष्म शरीर स्तर पर चक्रों और औरा की नकारात्मक एनर्जी को निकालती है। आयोजन सचिव प्रो. मनोज कुमार पांडा, सह-संयोजक मानसी वीरमानी एवं कोनिका मुखर्जी ने भी विचार रखे।